इकाई - III

11. मीरा बहन और बाघ

SCERT TELANGANA

प्रश्न :

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. हमारे देश के कुछ राष्ट्रीय चिह्न बताइए।
3. बाघ राष्ट्रीय पशु क्यों कहलाता है?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

मीरा बहन का जन्म इंग्लैंड में हुआ था। गांधी जी के विचारों का उन पर इतना असर हुआ कि वे अपना घर और अपने माता-पिता को छोड़कर भारत आ गईं और गांधी जी के साथ काम करने लगीं।

आज़ादी के पाँच साल बाद उन्होंने उत्तर प्रदेश के एक पहाड़ी गाँव, गेंवली में गोपाल आश्रम की स्थापना की। उस आश्रम में मीरा बहन का बहुत सारा समय पालतू पशुओं की देखभाल में बीतता था लेकिन गेंवली गाँव के आसपास के जंगलों में बाघ जैसे खतरनाक जानवर भी रहते थे।

पहाड़ी गाँवों में अक्सर बाघ का डर बना रहता है। जंगल कटने के कारण शिकार की तलाश में बाघ कभी-कभी गाँव तक पहुँच जाता

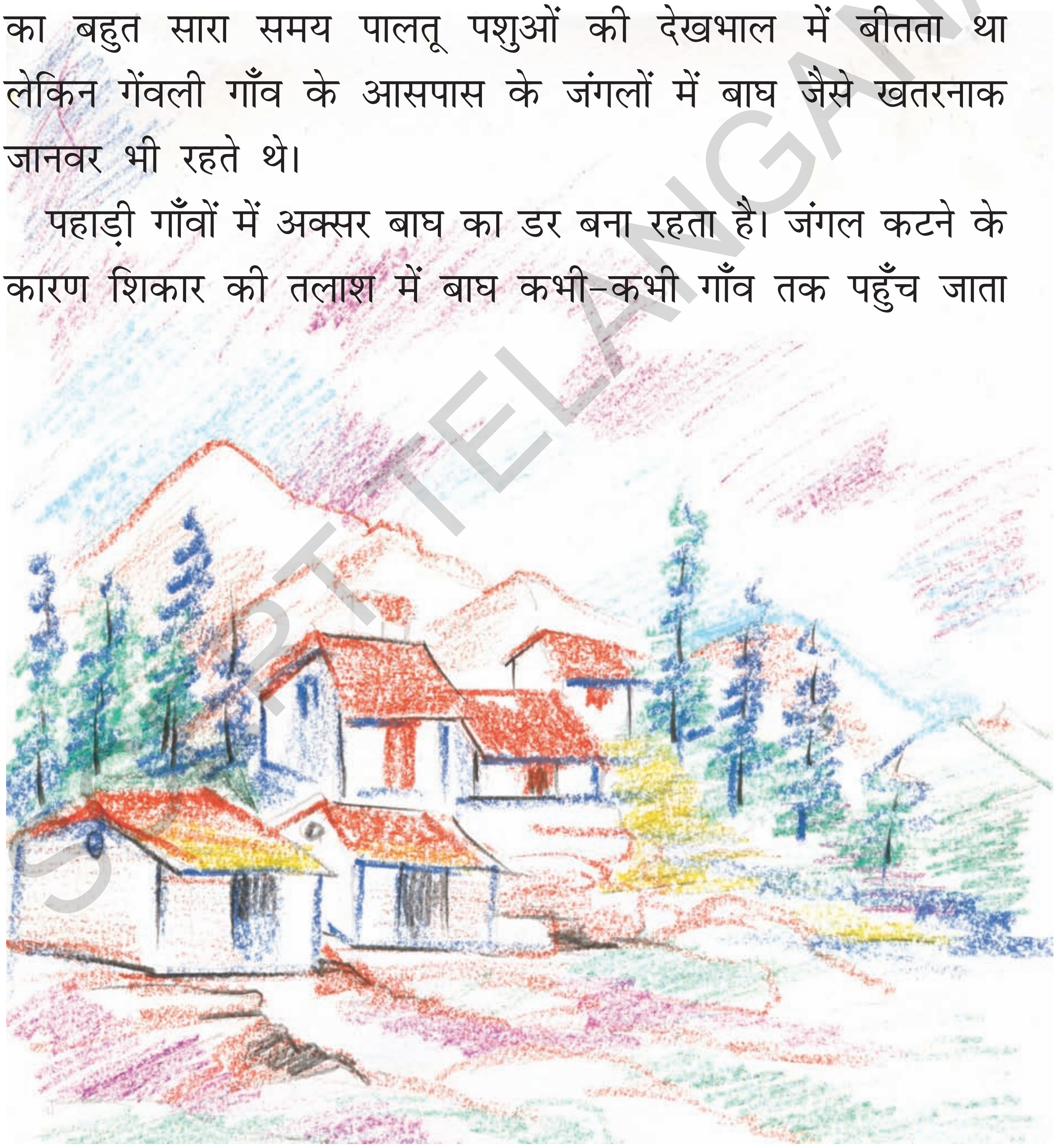

है। गेंवली गाँव में एक बार यही हुआ। एक बाघ ने गाँव में घुसकर एक गाय को मार डाला। सुबह होते ही यह खबर पूरे गाँव में फैल गई। गाँव के लोग डरे कि यह बाघ कहीं फिर से आकर दूसरे पालतू जानवरों और किसी आदमी को ही अपना शिकार न बना ले। गाँव के लोग गोपाल आश्रम गए और उन लोगों ने मीरा बहन को अपनी चिंता बताई।

गाँव के लोगों ने अंत में तय किया कि बाघ को कैद कर लिया जाए। उसे कैद करने के लिए उन्होंने एक पिंजड़ा बनाया। पिंजड़े के अंदर एक बकरी बाँधी। योजना यह थी कि बकरी का मिमियाना सुनकर बाघ पिंजड़े की तरफ़ आएगा। पिंजड़े का दरवाज़ा इस प्रकार खुला हुआ बनाया गया था कि बाघ के अंदर घुसते ही वह दरवाज़ा झटके से बंद हो जाए। शाम होने तक पिंजड़े को ऐसी जगह पर रख दिया गया जहाँ बाघ अक्सर दिखाई देता था। यह जगह मीरा बहन के गोपाल आश्रम से ज़्यादा दूर नहीं थी।

रात बीती। सुबह की रोशनी होते ही लोग पिंजड़ा देखने निकल पड़े। उन्होंने दूर से देखा कि पिंजड़े का दरवाज़ा बंद है। वे यह सोचकर बहुत खुश हुए कि बाघ ज़रूर पिंजड़े में फँस गया होगा लेकिन जब वे पिंजड़े के पास पहुँचे तो क्या देखते हैं – पिंजड़े में बाघ नहीं था!

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

लोग चकित थे – बाघ के अंदर गए बिना पिंजड़ा बंद कैसे हो गया? लोग मीरा बहन के पास पहुँचे। लोगों ने सोचा कि गोपाल आश्रम पास में ही था, इसलिए शायद मीरा बहन को मालूम हो कि रात में क्या हुआ। पूछने पर मीरा बहन बोलीं –

देखो भाई, मुझे नींद नहीं आ रही थी। मैं सोचती रही कि आखिर बाघ को धोखा देकर हम क्यों फँसाएँ। इसलिए मैं गई और पिंजड़े का दरवाज़ा बंद कर आई।

सुनिए–बोलिए

1. विभिन्न जानवरों की बोलियों में तुम्हें कौन–सी बोली अच्छी लगती है और क्यों?
2. जानवरों को पकड़ने के (जैसे शेर और चूहा) कौन से तरीके हैं?
3. जंगल के पास गाँववाले जानवरों से बचने के क्या उपाय करते हैं?

पढ़िए

1. मीरा बहन कौन थीं?
2. गेंवली गाँव में क्या हुआ था?
3. मीरा ने पिंजड़ा बंद करने का क्या कारण बताया?

लिखिए

1. आप पाठशाला या घर में किससे अधिक प्रभावित होते हैं और क्यों?
2. यदि आपके गाँव या शहर में अचानक बाघ आ जाये तो आप क्या करेंगे?

SCERT TELANGANA

शब्द भंडार

कौन क्या है?

- बाघ, गाय, बकरी, हाथी और हिरण **जानवर** हैं। नीचे लिखी हुई चीज़ें क्या है? खाली जगहों में लिखिए।

✧ अगरतला, अल्मोड़ा, रायपुर, कोच्चि, वडोदरा ....

✧ जलेबी, लड्डू, मैसूरपाक, कलाकंद, पेड़ा ....

✧ नर्मदा, कावेरी, सतलुज, ब्रह्मपुत्र, यमुना ....

✧ बरगद, नारियल, पीपल, चीड़, नीम ....

✧ गेहूँ, बाजरा, चावल, रागी, मक्का ....

✧ कुर्ता, साड़ी, फ़िरन, लहँगा, कमीज़ ....

कोयल कू-कू, बकरी में-में

जानवरों की बोलियाँ तो तुमने सुनी ही होंगी। कोयल की बोली को जैसे **कूकना** कहते हैं और मक्खी की बोली को **भिनभिनाना**, वैसे ही अन्य जानवरों की बोलियों के भी नाम हैं।

नीचे दिए गए खाने में एक तरफ़ जानवरों के नाम हैं, दूसरी तरफ़ बोलियों के। ढूँढ़ निकालिए कौन-सी बोली किसकी है?

जानवर	बोलियाँ
भैंस	मिमियाना
घोड़ा	रँभाना
हाथी	चिंघाड़ना
बकरी	हिनहिनाना

जानवर	बोलियाँ
शेर	रेंकना
गधा	रँभाना
गाय	भौंकना
कुत्ता	दहाड़ना

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

चलिए, पकड़ें

गाँववालों ने बाघ को पकड़ने के लिए एक योजना बनाई थी। कक्कू के घर में रोज़ बिल्ली आकर दूध पी जाती है। कक्कू की मदद करने के लिए कोई योजना बनाइए। इस घटना को आगे बढ़ाइए।

प्रशंसा

- इस पाठ से हमें क्या सीख मिलती है, अपने विचार लिखिए।

भाषा की बात

ठीक कीजिए ।

हवाई जहाज़ आसमान उड़ रहा है।

आपको यह वाक्य कुछ अटपटा लग रहा होगा। इस वाक्य को फिर से पढ़िए।

हवाई जहाज़ आसमान <u>में</u> उड़ रहा है।

- **अब इसी तरह इन वाक्यों को ठीक कीजिए।**
  - धूप बैठकर ढोकला खाया।
  - पुतुल काम करने मना कर दिया।
  - लता सब मूँगफली खिलाई।
  - पहाड़ी गाँवों बाघ डर बना रहता है।
- **अब वे सभी शब्द फिर से लिखो जिन्हें तुमने जोड़ा है।**

SCERT TELANGANA

परियोजना कार्य

■ बाघ से जुड़ी और कुछ कहानियाँ इकट्ठी कीजिए। कक्षा में प्रदर्शित कीजिए। मित्रों को सुनाइए।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ। भाव बता सकता/सकती हूँ।		
2. इस तरह के पाठ पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता/सकती हूँ।		
4. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		
5. पाठ के आधार पर मीरा बहन और बाघ का समूह में अभिनय कर सकता/सकती हूँ।		

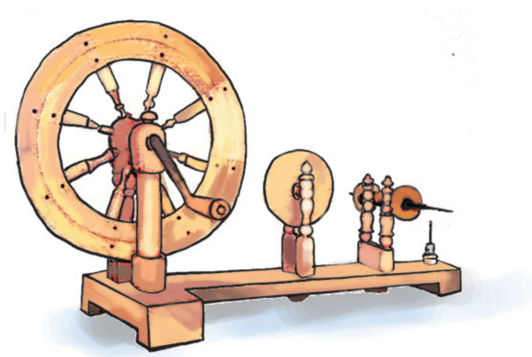

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

कहानी की कहानी

पढ़िए - आनंद लीजिए

कहानी सुनने में हम सब को मज़ा आता है।
आपको घर पर कौन कहानी सुनाता है?
किसकी कहानियाँ सबसे अच्छी लगती हैं?
किसका सुनाने का तरीका सबसे मज़ेदार है? भला क्यों?

बहुत पुरानी बात है। तब भी लोग कहानियाँ सुनते और सुनाते थे – राजा-रानी, परियों की कहानी, शेर और गीदड़ की कहानी। माँ-बाप, बच्चे, दादी-नानी को घेरकर बैठ जाते और बार-बार अपनी मनपसंद कहानी सुनते। बड़े होने पर वे बच्चे अपने बच्चों को कहानी सुनाते। फिर बड़े होकर बच्चे आगे अपने बच्चों को वही कहानियाँ सुनाते। इसी तरह कहानियों का यह सिलसिला आगे बढ़ता। उनके बच्चों के बच्चे, फिर उनके बच्चों के बच्चे उन कहानियों का मज़ा लेते जाते। सुनने-सुनाने से ही कई कहानियाँ आज हम तक पहुँची हैं।

कहानी सुनाने के कई अलग तरीके थे। कोई आवाज़ बदल-बदलकर सुनाता। कोई आँखें मटकाकर। कोई हाथ के इशारों से बात आगे बढ़ाता। कोई गाकर और कोई नाचकर भी कहानी को सजाता। आज भी कई लोग पुरानी कहानियों को नाच-गाकर सुनाते हैं। हर जगह नाच के ऐसे कई अलग-अलग तरीके हैं। *क्या आपको इलाके में कोई ऐसा कलाकार या कहानी कहने वाला है?*

पंचतंत्र की कहानियाँ सालों से लोग सुनते-सुनाते चले आ रहे थे। फिर

SCERT TELANGANA

लोगों ने सोचा क्यों न इनको लिखकर रख लें। इस तरह भूलेंगी नहीं और सँभली भी रहेंगी। ऐसी कई कहानियों को एक-साथ पोथी में लिख लिया। पोथी का नाम रखा - *पंचतंत्र*।

उस समय लोगों के पास कागज़ और किताबें तो होती नहीं थीं।

सोचो, कहानियों को कैसे लिखा होगा?

उस ज़माने में लोग पत्तों पर या पत्थर पर लिखते थे। पेड़ की छाल का भी इस्तेमाल करते थे। खजूर के बड़े पत्ते देखे हैं? उनको छाया में सुखा लेते थे। तेल से उनको नरम बनाकर फिर उन पर कहानी लिखते, पर लिखते किससे? पेंसिल और पेन तो तब थे नहीं। पक्षी के पंख से ही कलम बना लेते या बाँस को नुकीला बनाकर उससे

SCERT TELANGANA

लिखते। स्याही भी खुद घर पर बनाते थे। क्या आपने कहीं लकड़ी की कलम देखी है?

पंचतंत्र की कहानियाँ कई सौ साल पहले लिखी गई थीं। दुनिया भर में ये कहानियाँ पसंद की जाती थीं। कई लोगों ने अपनी-अपनी भाषा में इस पोथी को लिखा था। जैसे – उड़िया, बंगाली, मराठी, मलयालम, कन्नड़ आदि।

यहाँ *पंचतंत्र* की एक कहानी की एक पंक्ति दी गई है। यह पंक्ति कई भाषाओं में लिखी है।

सिंह-शृगाल-कथा

अस्ति कस्मिंश्चित् वनोद्देशे वज्रदंष्ट्रो नाम सिंहः ।
किसी वन के एक इलाके में वज्रदंष्ट्र नाम का एक सिंह रहता था ।
କୌଣସି ବଣର ଏକ ସ୍ଥାନରେ ବଜ୍ରଦଂଷ୍ଟ୍ର ନାମକ ସିଂହ ଟିଏ ରହୁ ଥିଲ। ।.
কোনো বোনের ঐক ভাগে বজ্রদংষ্ট্র নামের ঐকটা সিংহো থাকতো ।
ഏതോ ഒരു കാട്ടി വജ്രദംഷ്ട്രനഎന്നു പേരായ ഒരു സിംഹം ഉ ായിരുന്നു

इनमें से आप कौन-सी भाषा पहचान पाए?

क्या कोई पुरानी पोथी आप अपने आस-पास देखी है?

आज हम इन पुरानी पोथियों को सँभालकर रखते हैं। लोगों ने बहुत मेहनत से इन्हें लिखा था। इनमें कहानियाँ संजोकर, बचाकर रखी थीं। वे कहानियाँ हम आज भी सुनते और पढ़ते हैं। इन्हें आप अपने बच्चों को भी सुनाएँगे और पढ़ाएँगे और इन्हें आपके बच्चों के बच्चे भी पढ़ेंगे। पढ़ेंगे न?

SCERT TELANGANA